दिल्ली पुलिस समाचार

अंक-119 नवम्बर - दिसम्बर, 2017 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



महिलाओं का सम्मान व सुरक्षा हमारी प्राथमिकता ही नहीं, प्रतिबद्धता भी है।

आपकी सकारात्मक कार्यवाही, इलाके में अधिकाधिक उपस्थिति व तकनीकी दक्षता से ही समाज में पुलिस प्रतिष्ठा का अभिवर्धन होगा : श्री अमूल्य पटनायक, पुलिस आयुक्त



पुलिस आयुक्त के तौर पर कार्यभार संभालने पर मैंने कुछ बिदुंओ पर विशेष जोर दिया था, जिसमें महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, भ्रष्टाचार के मामले में ज़ीरो टोलरेंस, अपराध घटित होने की संभावना को टालने का प्रयास तथा समय के साथ–साथ स्वयं को नई तकनीक से अपडेट करना आदि प्रमुख बिन्दु रहे हैं। इन पर हम लगातार काम कर रहे हैं और सफलता भी अर्जित कर रहे हैं। वर्ष 2017 में भी पूर्व की भांति आपने कड़ी चुनौतियों का सामना किया है। पिछले दिनों समाचार पत्रों में आंकड़ों पर आधारित कुछ ऐसी खबरें प्रकाशित हुई जिससे ऐसा प्रतीत हुआ कि दिल्ली मे अपराध दर में इजाफा हुआ है। ऐसी खबरों से आप बिल्कुल भी हतोत्साहित न हों, बल्कि और ज्यादा उत्साह, दृढ़ता और ईमानदारी के साथ निस्वार्थ भाव से दिल्ली के नागरिकों की सेवा के प्रति समर्पित रहें। गतवर्ष संगीन अपराधों में 24 प्रतिशत की कमी, जघन्य अपराधों में संलिप्त 85 प्रतिशत अपराधियों की गिरफ्तारी और आपराधिक मामलों को सुलझाने के प्रतिशत में बढ़ोतरी इस बात की तरफ इशारा करती है कि आप सभी ने अपनी ड्यूटी को काफी बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया है। पिछले दिनों झपटमारी, नाबालिग बच्चों की अपराधों में संलिप्तता, अवैध शस्त्रों की सप्लाई व अवैध शराब के कुछ मामले प्रकाश में आए हैं। इस प्रकार के सभी अपराधों पर पैनी नज़र रखने की जरूरत है। हालांकि स्नैचिंग के मामलों में 14 प्रतिशत की कमी आई है।

दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए इसकी तुलना अन्य महानगरों के साथ करना बेमानी होगा। क्योंकि दिल्ली की भौगोलिक, राजनीतिक, व्यवसायिक, पारिवारिक व रहन–सहन की स्थिति अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी भिन्न हैं, विशेषकर आबादी घनत्व। सामुदायिक नीति पर ध्यान केन्द्रित करते हुए आपने अपराधियों से निपटने व उन पर अंकुश लगाने में अच्छी कामयाबी हासिल की है। अपराधियों को पकड़ने, आपराधिक वारदातों व साइबर अपराधों से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए आधुनिक तकनीक में पारंगत होना नितांत आवश्यक हैं। इसके साथ ही इलाके में पुलिस की उपस्थिति जहाँ नागरिकों में सुरक्षा का भाव जागृत करती है वहीं पुलिस के प्रति विश्वास में भी बढ़ोतरी होती है। पिछले दिनों अधिकांश संगीन व जघन्य आपराधिक वारदातों को सुलझाने में उल्लेखनीय सफलता पाई गई है, उनमें से मैं, विशेषकर अपराध शाखा द्वारा सुलझाये गये थाना मानसरोवर पार्क इलाके में हुई पांच लोगों की सनसनीखेज हत्या की वारदात और थाना हर्ष विहार में तैनात कां0 विवेक की बहादुरी का विशेष तौर पर उल्लेख करना चाहूंगा। इन दोनों वारदातों में एक घटना में जहां तफ्तीश का शानदार उदाहरण मिलता है तो दूसरी घटना एक कां0 द्वारा अपने अधिकारों के विवेकपूर्ण उपयोग को दर्शाती है। इस वर्ष आयोजित हुए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के सुरक्षा प्रबंध भी सराहनीय हैं। प्रतिदिन एक सुनिश्चित जगह पर लाखों लोगों की भीड़ के बीच कानून–व्यवस्था और सुचारू यातायात प्रबंधन पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। 17 दिसम्बर, 2017 को इंडिया गेट पर आयोजित हाफ मैराथन –'रन फॉर लाडली' कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बेटियाँ समाज की अमूल्य निधि हैं और समाज में बेटियों को देवी व लक्ष्मी के रूप में माना जाता है। इसीलिए महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। इसलिए वर्तमान में पुलिस का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है कि वह महिलाओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरा करने के लिए यथासंभव कदम उठाये।

दिल्ली में हमें इस अवधारणा को पूर्णतया समाप्त करना है कि दिल्ली महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हैं। हमें हर हाल में यह साबित करना है कि दिल्ली महिलाओं के लिए ही नहीं बल्कि हर नागरिक के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। हमारी इस प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों में गतवर्ष के मुकाबले काफी कमी आई है। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों से निपटने में जनता की भागीदारी से ही कामयाबी मिल सकती है, क्योंकि महिलाओं के खिलाफ होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध में लगभग 96 प्रतिशत उनके अपने परिचित शामिल होते हैं, चाहे वह घरेलू हिंसा हो या फिर बलात्कार जैसा घृणित अपराध हो। मैं, यहां कहना चाहूंगा कि महिलाओं के प्रति होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध का मामला दर्ज करने में, उचित तफ्तीश करने में तथा काउंसलिंग आदि में पुलिस की तरफ से कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुझे यह बताते हुए अत्यधिक हर्ष हो रहा है कि प्रशासनिक स्तर पर आपके हितार्थ निरंतर प्रयास किया जा रहा है, मामला चाहे नियमित पदोन्नति से संबंधित हो, बारी से पहले तरक्की देने का हो, असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित करने का हो या आपको उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करना हो। पिछले कुछ महीनों में ही 37 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की दी गई, 48 पुलिसकर्मियों को असाधारण कार्य पुरस्कार व प्रत्येक को 50–50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया, 102 पुलिसकर्मियों को 6 हजार से लेकर 10 हजार रुपये तक के नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र से तथा 13 पुलिसकर्मियों को उनकी सहराहनीय सेवाओं के लिए अच्छी खासी नकद धनराशि व प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया है। थाना हर्ष विहार में तैनात कां0 विवेक को दी गई बारी से पहले तरक्की सबके लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। इसके अलावा यहाँ पर मैं यह भी बतलाना चाहूँगा कि दिनांक 24 नवम्बर, 2017 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस व एक्सिस बैंक के साझा प्रयास से 26 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की आर्थिक मदद मुहैया कराई गई जोकि हमारे कर्मचारियों के परिवारों के कल्याण हेतु एक प्रमुख कदम रहा।

अंत में, मैं अपने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को यही कहना चाहूंगा कि पब्लिक फ्रेंडली सिस्टम पर जोर देते हुए सांइटिफिक तरीके से काम करें और अन्य पुलिस बलों के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। आपकी निष्ठा व ईमानदारी से की गई सकारात्मक कार्यवाही से ही पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आम जनता का पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत होगा।

दिल्ली पुलिस व लाडली फाउंडेशन का साझा कार्यक्रम: हॉफ मैराथन–''रन फॉर लाडली''

''बेटियाँ समाज की अमूल्य निधि है और हमारी संस्कृति में बेटियों को देवी व लक्ष्मी का रूप माना जाता है, उनकी पूजा की जाती है। इसीलिए समाज के हर वर्ग के लोगों को उनकी सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि महिलाओं का समाज में जितना मजबूत आधार होगा, समाज की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी।'' – श्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री, भारत सरकार

17 दिसम्बर, 2017 को जवाहरलाल स्टेडियम में दिल्ली पुलिस व लाडली फाउंडेशन संस्था द्वारा हॉफ मैराथन–**'रन फॉर लाडली'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर **माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इस मौके पर **केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री थावर चंद गहलौत जी** (सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण), **केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री शिव प्रताप शुक्ला जी (वित्त मंत्रालय),केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल (स्वास्थ्य मंत्रालय), केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री वीरेन्द्र कुमार (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय), श्रीमती प्रियंका रावत जी (सांसद एवं संरक्षक, लाडली फाउंडेशन) श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता (लाडली संस्थापक)** ने 21, 11 व 5 किलोमीटर की दौड़ में भाग लेने वाले लगभग 15000 धावकों की हौसला–अफ़जाई की। **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** सहित दिल्ली पुलिस के अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व 2500 पुलिसकर्मियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लिंगभेद असमानता को समाप्त करने और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता लाना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि बेटियाँ समाज की अमूल्य निधि है और हमारी संस्कृति में बेटियों को देवी व लक्ष्मी का रूप माना जाता है, उनकी पूजा की जाती है। इसीलिए समाज के हर वर्ग के लोगों को उनकी सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि महिलाओं का समाज में जितना मजबूत आधार होगा, समाज की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा किये गये प्रयासों की प्रशंसा करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री महोदय ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित होते हैं। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी हैं और इस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए हम हरसंभव कदम उठाते हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाये गये अब तक के कदमों पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि हमें समाज से इस अवधारणा को जड़मूल से समाप्त करना है कि यहाँ महिलाएँ सुरक्षित नहीं हैं। बल्कि हमें उन्हें ऐसा स्वच्छंद वातावरण मुहैया कराना है जिसमें महिलाएँ न केवल स्वयं को सुरक्षित महसूस करें बल्कि वे निर्भीक होकर कहीं भी आ–जा सकें। इस मौके पर 21 किलोमीटर मैराथन में प्रथम स्थान पाने वाले श्री जितेंद्र सिंह को एक लाख रुपये व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम को उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। इस मौके पर माननीय मुख्य अतिथि एवं केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने स्वयं उपस्थित विशाल जनसमूह को शपथ दिलाई गई कि **''मैं ईश्वर को साक्षी मानकर लाडली रक्षक बनने की शपथ लेता हूँ और यह प्रतिज्ञा करता हूँ कि सदैव महिलाओं का सम्मान करूंगा और कभी भी किसी महिला के विरूद्ध अपराध में भागीदार नहीं बनूँगा और यदि कोई मेरे सामने किसी महिला के साथ दुर्व्यवहार करेगा तो उसका मैं विरोध करूंगा''।**



दिल्ली पुलिस की फोटो गैलरी का अवलोकन करते हुए माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री



कार्यक्रम में महिलाओं का सम्मान व सुरक्षा करने की शपथ दिलाते हुए मुख्य अतिथि



'रन फॉर लाडली' कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय गान के सम्मान में उपस्थित जनसमूह

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम ''सशक्ति'' के तहत 7000 स्कूली छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया



गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते हुए करते हुए उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल



एक शिक्षिका को सम्मानित करते हुए उपराज्यपाल महोदय



आत्मरक्षा तकनीक का प्रदर्शन करती छात्राएं

''अब न सहना, न चुप रहना'' स्लोगन के माध्यम से प्रोत्साहित किया

दिल्ली पुलिस ने अपने महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम **'सशक्ति'** की श्रखंला को आगे बढ़ाते हुए 7000 स्कूली छात्राओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का एक और सार्थक प्रयास किया है। 26 दिसम्बर, 2017 को त्यागराज स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में **माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल** एवं **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने उपस्थित छात्राओं और पुलिस अधिकारियों/कर्मियों को सम्बोधित किया। दिल्ली पुलिस के सात जिलों के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाली सात हजार छात्राओं को 361 केन्द्रों में मार्शल आर्ट का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया था और उसी प्रशिक्षण की समाप्ति के मौके पर इस समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री संजय बेनीवाल, श्री आर.पी. उपाध्याय, श्री आर.एस. कृष्णैया, श्री वीरेन्द्र सिंह चहल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री प्रवीर रंजन, उपायुक्त पुलिस श्री रोमिल बानिया, श्री शिबेश सिंह, श्री एम.एन. तिवारी** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण की तकनीक महिलाओं में आत्मविश्वास प्रबल करने का एक मजबूत व सशक्त माध्यम है। दिल्ली पुलिस महिलाओं/छात्राओं में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सशक्ति जैसे कार्यक्रमों को और अधिक मजबूती व प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित करती रहेगी। मुख्य अतिथि उपराज्यपाल महोदय श्री अनिल बैजल ने पुलिस द्वारा निरंतर महिलाओं/छात्राओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिये जाने की प्रशंसा की और अच्छी ट्रैनिंग पाने वाली छात्राओं और प्रशिक्षण देने वाली पुलिस टीम की सदस्यों को ट्रॉफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में एक तरफ हम जहां नारी को ज्ञान की देवी सरस्वती, धन की देवी लक्ष्मी और शक्तिस्वरूपा दुर्गा के रूप में मानते हैं, पूजते हैं, वहीं दूसरी तरफ समाज का एक बहुत ही छोटा सा वर्ग और कुछ असामाजिक तत्व नारी को अबला समझने की भूल करते हैं। समाज में नारी के सम्मान के साथ–साथ उसकी सुरक्षा व संरक्षिता का वातावरण कायम करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है।

महिला सशक्तिकरण समापन समारोह में पुलिस आयुक्त ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया

12 दिसम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित रग्बी स्टेडियम में छात्राओं को सशक्त करने के उद्देश्य से चलाये गये आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। 'सशक्ति' नाम से चलाये गये इस कार्यक्रम के समापन समारोह में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, श्री पी.कामराज, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री संजय बेनीवाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री राजेश खुराना, श्री रवीन्द्र यादव, डॉ. सागरप्रीत हुड्डा, अति0 आयुक्त पुलिस श्री किमे कामिंग, उपायुक्त पुलिस श्री जतिन नरवाल, श्रीमती नुपूर प्रसाद, श्रीमती असलम खान, श्रीमती ईशा पांडे** के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे। स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमिन एंड चिल्ड्रन द्वारा दिल्ली पुलिस के 7 जिलों में स्थित 13 सरकारी स्कूलों की लगभग 5000 छात्राओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया गया है। स्टेडियम में उपस्थित लगभग 3100 छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस मौके पर उपस्थित छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा अपने उसी आत्मविश्वास के बल पर हर चुनौती का सामना करने में सक्षम होंगी। पुलिस आयुक्त महोदय ने महिलाओं/छात्राओं के प्रति दिल्ली पुलिस की प्रतिबद्धता का स्मरण दिलाते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस की सेल्फ डिफेंस की ट्रैनिंग देने वाली टीम ने अब तक हजारों लड़कियों को निःशुल्क ट्रैनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया है, जो निश्चित रूप से प्रशंसनीय है।



फोटो : गौरव अरोड़ा

आत्मरक्षा तकनीक का शानदार प्रदर्शन करने वाली छात्रा को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त



आत्मरक्षा तकनीक का नमूना प्रदर्शित करते हुए पुलिस टीम



कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्राओं के साथ पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी



कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त

आत्मरक्षा शिविर समापन समारोह में 3500 लड़कियों का आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन

7 नवम्बर, 2017 को यमुना विहार स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में आयोजित आत्मरक्षा शिविर समापन समारोह में 3500 लड़कियों ने आत्मविश्वास से भरा शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के.सिह, श्री संजय बेनीवाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री राजेश खुराना, श्री रवीन्द्र यादव, डॉ सागर प्रीत हुड्डा, अति0 आयुक्त पुलिस श्री किमे कामिंग व उपायुक्त पुलिस श्रीमती नुपूर प्रसाद** सहित भारी संख्या में स्कूली छात्राएँ व अध्यापिकाएँ उपस्थित थी। दिल्ली पुलिस की विशेष पुलिस इकाई महिला एवं बाल सुरक्षा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने निःशुल्क प्रशिक्षण पाने वाली छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आत्मरक्षा शिविरों के आयोजन से न केवल महिलाओं/छात्राओं के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है बल्कि वे मौके पर ही मनचलों/बदमाशों को मुंहतोड़ जबाव देने में सक्षम होती हैं। महिलाओं/छात्राओं व बच्चों की सुरक्षा की अपनी प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे स्वयं को कमजोर न समझे, स्वयं को सक्षम समझें और ऐसे शिविरों में पाए प्रशिक्षण का अपनी आत्मरक्षा में डटकर प्रयोग करें। इस मौके पर पुलिस आयुक्त महोदय ने महिलाओं व छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देने वाली दिल्ली पुलिस की महिला टीम की प्रशंसा करते हुए इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं/छात्राओं को आत्मरक्षा में पारंगत करने पर बधाई भी दी।



सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देने वाली पुलिस टीम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

उल्लेखनीय और सराहनीय सेवाओं के लिए 36 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की दी गई

अपने कर्त्तव्यपालन के प्रति पूर्णतया समर्पित रहते हुए अदम्य साहस, टीमवर्क की भावना से काम करने, घोषित अपराधियों को गिरफ्तार करने व गुप्त सूचनाएँ एकत्रित करने में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले 36 पुलिसकर्मियों को पुलिस आयुक्त महोदय ने बारी से पहले तरक्की देकर उन्हें भविष्य में इसी निष्ठा व तत्परता से काम करने के लिए प्रेरित किया है। 21 नवम्बर, 2017 को पुलिस मुख्यालय ने बारी से पहले तरक्की के आदेश पारित किये। बारी से पहले तरक्की पाने वालों में शामिल हैं :–


एसआई ललित कुमार


एसआई रविन्द्र जोशी


एसआई विक्रम


एसआई योगेश कुमार


एएसआई भगवान सिंह


एएसआई कृष्ण कुमार


एएसआई ब्रजपाल


एएसआई राजेन्द्र सिंह


एएसआई राकेश तोमर


हैडकां. संदीप डराल


हैडकां. अनुज


हैडकां. गौरव


हैडकां. गुरमीत सिंह


हैडकां. लाची सिंह


हैडकां. हेमन्त कुमार


हैडकां. नरेन्द्र कुमार


हैडकां. सीबू आर.एस.


हैडकां. विकास


हैडकां. डेजी डागर


हैडकां. मोहित यादव


हैडकां. नीरज कुमार


हैडकां. प्रवीन कुमार


हैडकां. संजय नैन


हैडकां. नरेश कुमार


हैडकां. संजीव कुमार


हैडकां. श्यामबीर सिंह


हैडकां. कृष्ण कुमार


हैडकां. ऋषि कुमार झा


हैडकां. संजीव कुमार


हैडकां. विनती प्रसाद


हैडकां. अशोक कुमार


कां. गुरविंदर सिंह


कां. जितेन्द्र कुमार


कां. रोहित कुमार


कां. रोहित पवार


कां. मोहित पवार

आत्मरक्षा करते हुए बदमाश को गोली मारकर दबोचने वाले जांबाज़ सिपाही विवेक को पुलिस आयुक्त ने बारी से पहले तरक्की देकर सम्मानित किया।

सिपाही का कहना था कि ''डर जाता तो मैं मर जाता'', अच्छी ट्रैनिंग और अधिकारियों का मार्गदर्शन मेरे काम आया।





कां. विवेक को हैडकां. की फीत लगाते हुए पुलिस आयुक्त एवं विशेष पुलिस आयुक्त तथा साथ में जिले की उपायुक्त पुलिस एवं जांबाज सिपाही

1 दिसम्बर, 2017 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने शाहदरा जिला के थाना हर्ष विहार में तैनात **सिपाही विवेक कुमार शर्मा** को बारी से पहले तरक्की देकर सम्मानित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी. कामराज, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्रीमती नूपुर प्रसाद, थानाध्यक्ष हर्ष विहार सुनील शर्मा** भी उपस्थित थे। थाना हर्ष विहार में तैनात सिपाही विवेक शर्मा ने 29 नवम्बर को अपनी बीट में 2 ऐसे संदिग्ध बदमाश दिखाई दिए जिन्होंने 24 नवम्बर, 2017 की रात विश्वास नगर इलाके में लूटपाट की एक वारदात को अंजाम दिया था। सिपाही विवेक ने स्फूर्ति के साथ उनकी मोटरसाइकिल रोकने का प्रयास किया तो मोटरसाइकिल चालक मोनू ने पीछे बैठे सरदार नामक बदमाश से कहा की गोली मार दे नहीं तो फंस जायेंगे। बदमाश ने देशी पिस्टल से विवेक पर गोली चला दी। विवेक ने भी बिना किसी संकोच के आत्मरक्षा करते हुए अपनी पिस्टल से तीन राउंड फायर किये। सिपाही विवेक द्वारा गोली चलाए जाने पर पीछे बैठा बदमाश घबरा गया और मोटरसाइकिल से उतर कर भाग गया। सिपाही विवेक द्वारा चलाई गई दो गोलियां बदमाश मोनू के पैरों में लगी जबकि एक गोली उसकी बाजू को छूती हुई निकल गई। सिपाही विवेक द्वारा दबोचे गए इस बदमाश से पूछताछ पर पता चला कि वह लगभग 18 संगीन वारदातों में संलिप्त है। सिपाही विवेक कुमार शर्मा द्वारा दिखाई गई बहादुरी से इलाके के लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास का सृजन हुआ और पुलिस प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई। पुलिस आयुक्त ने इसे एक अनुकरणीय साहस की मिसाल बताते हुए सिपाही विवेक की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

पुलिस आयुक्त द्वारा 102 पुलिसकर्मी प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार से सम्मानित

पुलिस आयुक्त ने विभिन्न मौकों पर अच्छी सूझबूझ और साहस का परिचय देने वाले 102 पुलिसकर्मियों को 6 हजार रूपये से लेकर 10 हजार रूपये तक के नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किये। पुरस्कृत होने वाले 102 पुलिसकर्मियों में बहुत से ऐसे साहसी पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जिन्हें अलग–अलग मामलों में कई–कई बार सम्मानित किया गया है।

हैडकां0 रंधावा सिंह अब एएसआई (अपराध शाखा), हैडकां0 गजराज सिंह अब एएसआई व कां0 सतेन्द्र अब हैडकां0 (उत्तर–पूर्वी जिला), कां0 दिनेश कुमार (स्पेशल सेल), इंस्पेक्टर धर्मबीर सिंह, एसआई मनोज, एसआई संदीप, एसआई निखिल, हैडकां0 गजराज (बाहरी जिला), कां0 विनोद, कां0 अजय व कां0 संजीव (बाहरी जिला), इंस्पेक्टर महेन्द्र सिंह व कां0 मोहम्मद दिलशाद (दक्षिण–पूर्वी जिला), हैडकां0 अनिल कुमार व कां0 रामबीर सिंह (पूर्वी जिला), कां0 राजेन्द्र सिंह अब हैडकां0 (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर धर्मबीर सिंह, एसआई सपना, एसआई देवेन्द्र, हैडकां0 बेगराज व कां0 परमजीत सिंह, हैडकां0 अजीत सिंह, हैडकां0 प्रदीप कुमार, कां0 रवीन्द्र (बाहरी जिला), एसआई नरेन्द्र कुमार, हैडकां0 राजीव गोदर, हैडकां0 लक्षमण प्रसाद व कां0 कुलदीप हुड्डा (विशेष शाखा), इंस्पेक्टर प्रेमचन्दर खंडूरी, एसआई विनित कुमार एसआई विजय कुमार सांवरिया, हैडकां0 नरेन्द्र सिंह, हैड कां0 मोहम्मद तालिम, कां0 प्रवीन्द्र कां0 रवीन्द्र हैडकां0 राकेश तोमर अब एएसआई, हैडकां0 संजीव कुमार हैडकां0 हेमन्द्र कुमार, हैडकां0 संदीप कुमार, कां0 पंकज जोशी, (अपराध शाखा), एसआई सचिन पिलानिया, हैडकां0 ब्रहमपाल, हैडकां0 मुकेश कुमार, कां0 संजीव कुमार, कां0 चन्दरपाल (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर राजेश कुमार, एसआई मनीष कुमार, एसआई विनय पाल, एसआई शमशेर सिंह, एएसआई कृष्ण कुमार, एएसआई आकाश, हैडकां0 लच्छी सिंह, कां0 संदीप कुमार, कां0 अनिल कुमार, कां0 रवि लाम्बा (स्पेशल सेल), कां0 संदीप (पूर्वी जिला), कां0 सोमबीर (उत्तर–पश्चिमी जिला), एएसआई (चालक) आनंद प्रकाश व कां0 बिजेन्द्र सिंह (पीसीआर), इंस्पेक्टर तिलक चंद, एसआई अशोक कुमार (स्पेशल सेल), कां0 मनोज कुमार (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह, एएसआई श्यामवीर सिंह, एएसआई सुखबीर सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर यशपाल सिंह, हैडकां0 गोविन्द सिह अब एएसआई (अपराध शाखा) कुलदीप सिंह हुड्डा (स्पेशल ब्रांच), एएसआई बिजेन्द्र कुमार (अपराध शाखा), कां0 नरेन्द्र कुमार (स्पेशल ब्रांच), कां0 शेर हसन (स्पेशल सेल), कां0 अनिल कुमार (स्पेशल सेल), हैडकां0 बिजेन्द्र कुमार व हैडकां0 दिनेश कुमार अब दोनों एएसआई (स्पेशल ब्रांच), एएसआई हरमिन्दर पाल व हैडकां0 हेमंत कुमार विधुड़ी (स्पेशल सेल), एएसआई सतीश कुमार, हैडकां0 संजीव व कां0 नवीन (अपराध शाखा), हैडकां0 बिजेन्द्र सिंह, कां0 राहुल, हैडकां0 अब एएसआई व कां0 रविन्द्र सिंह (अपराध शाखा), हैडकां0 अब एएसआई हनुमान व कां0 अब हैडकां0 धमेन्द्र (अपराध शाखा), इंस्पेक्टर प्रेमचंद खंडूरी व एएसआई युद्धवीर सिंह (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर नरेन्द्र सिंह चाहर, एसआई संदीप यादव (स्पेशल सेल), इंस्पेक्टर पंकज कुमार, हैडकां0 गिरधर सिंह, कां0 संदीप कां0 अनिल कुमार व कां0 अक्षय कुमार (स्पेशल सेल), एएसआई मंदीप सिंह (स्पेशल ब्रांच)।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने राष्ट्रीय/ अतंरराष्ट्रीय खिलाड़ियों व कोच की मदद से अपने दूसरे चरण में 157 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया

(खेल आधारित भर्ती प्रक्रिया में मुक्केबाजी प्रतियोगिता को भी शामिल करने पर विचार)



पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक एवं बॉक्सर श्री विजेन्द्र सिंह दीप प्रज्ज्वलित करते हुए



चयनित छात्रा को किट प्रदान करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने मिशन ओलम्पिक के तहत 18 नवम्बर, 2017 को किंग्सवे कैंप स्थित पुलिस मैदान में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया का आयोजन किया। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के.सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, श्री एस.एस. यादव, उपायुक्त पुलिस श्री आसिफ मोहम्मद** व समिति से जुड़े **इंस्पेक्टर के.पी.राणा** भी उपस्थित थे। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध मुक्केबाज़, अर्जुन अवार्डी एवं ओलम्पिक पदक विजेता श्री विजेन्द्र सिंह ने बच्चों की हौसला अफजाई की। इसके अलावा अतंर्राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री ललित माथुर, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया व करणी सिंह शूटिंग रेंज की निदेशक श्रीमती मंजूश्री राव, अर्जुन अवार्डी व राष्ट्रीय एथलीट श्रीमती आशा अग्रवाल, दिल्ली सरकार के उप–शिक्षा निदेशक इस मौके पर विशेष तौर पर आमंत्रित थे। अर्जुन अवार्डी प्रसिद्ध पहलवान श्री राजीव तोमर, बैडमिंटन के राष्ट्रीय चैम्पियन श्री हरजीत सिंह, वर्ल्ड कप गोल्ड मैडलिस्ट शॉटगन प्लेयर श्री अंकुर मित्तल, इंडियन टीम के कैप्टन और कबड्डी में दो बार के गोल्ड मेडलिस्ट श्री तीरथ राज, अतंरराष्ट्रीय खिलाड़ी और फुटबाल टीम के कोच श्री संजय सिंह ने प्रतिभाशाली बच्चों की चयन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ओलम्पिक पदक विजेता मुक्केबाज एवं समारोह के मुख्य अतिथि श्री विजेन्द्र सिंह ने पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक से आग्रह किया कि दिल्ली पुलिस में मुक्केबाज खिलाड़ियों की भी सीधी भर्ती होनी चाहिए। पुलिस आयुक्त, महोदय ने दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा किये जा रहे सार्थक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समिति पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों में से ओलम्पिक प्रतिभा को खोजने का बेहतरीन एवं प्रशंसनीय प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्य अतिथि श्री विजेन्द्र सिंह की बात को गंभीरता से लेते हुए कहा कि हालांकि दिल्ली पुलिस में पहले से ही खेलों के आधार पर भर्ती किये जाने की व्यवस्था है, फिर भी दिल्ली पुलिस में स्पोर्ट्स एक्टिविटी के आधार पर भर्ती की नीति का पुनः विश्लेषण किया जाएगा और उसमें मुक्केबाजी प्रतियोगिता को भी शामिल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। समारोह के दौरान समिति की उपाध्यक्षा डॉ. सुशी सिंह ने मिशन ओलम्पिक के विजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समिति फिलहाल एथलीट, फुटबाल, कबड्डी, शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेलों में छिपी प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए तैयार कर रही है। इस योजना के तहत अब तक दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़े प्रतिभा के धनी 157 बच्चों का चयन किया गया है। इन बच्चों में एथलेटिक्स के 19, बैडमिंटन के 18, फुटबाल के 32 कब्बड्डी के 53, शूटिंग के 24 और रेसलिंग के 11 प्रतिभाशाली बच्चे शामिल हैं। दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने पिछले कई महीनों से कड़ी मेहनत करते हुए ट्रायल के दो चरण आयोजित कर 11 से 19 वर्ष की आयु के 157 प्रतिभाशाली बच्चों का चयन किया है। समिति इन्हें अच्छा प्रशिक्षण और मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराते हुए प्रशिक्षित करायेगी ताकि ये बच्चे देश–विदेश में आयोजित होने वाले खेलों में मजबूती के साथ अपनी दावेदारी पेश करते हुए दिल्ली पुलिस व देश का नाम रोशन कर सकें।





दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़े प्रतिभाशाली खिलाड़ी – फुटबाल, कबड्डी, दौड़ व बैडमिंटन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की एक झलक



दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने शालीमार बाग पुलिस कॉलोनी में स्टडी सेंटर का उद्घाटन किया। प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक खुलने वाले इस स्टडी सेंटर में प्रारम्भ में 150 बच्चों ने अपना नाम दर्ज कराया। बच्चों के कल्याणार्थ खुले इस स्टडी सेंटर के लिए कॉलोनी वासियों ने समिति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।



15 नवम्बर, 2017 को समिति की उपाध्यक्षा डॉ. सुशी सिंह ने पुलिस कॉलोनी मॉडल टाउन में दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़ी महिलाओं के लिए कटिंग/टेलरिंग/स्टिचिंग के 60 दिन के कोर्स का उद्घाटन किया। 14 नवम्बर से 18 जनवरी 2018 तक चलने वाले इस कोर्स में महिलाओं को आज के दौर के फैशन के हिसाब से कटिंग/टेलरिंग/स्टिचिंग का काम सिखाया जायेगा।





14 नवम्बर, 2017 को पं. जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने 10 वेलफेयर सेंटरों में 'बाल दिवस' के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस मौके पर कई सेंटरों पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, सेवानिवृत्त विशेष पुलिस आयुक्त श्री आमोद कंठ, बॉक्सर श्री विजेन्द्र सिंह, समिति की उपाध्यक्षा डॉ. सुशी सिंह के अलावा भारी संख्या में पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चे उपस्थित थे।



4 दिसम्बर, 2017 को 17 मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग पर स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में सेवानिवृत्त हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस. वासुदेव राव के सम्मान में भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की पदाधिकारियों ने समिति के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने व उन्हें सफल बनाने में अहम् भूमिका निभाने पर श्री वासुदेव के प्रति आभार व्यक्त किया और उनके साथ-साथ उनकी धर्मपत्नी को भी सम्मानित किया।



क्रिसमस की पूर्व संध्या पर 24 दिसम्बर, 2017 को दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की पदाधिकारियों ने नई पुलिस लाईन में रहने वाले परिवारों के साथ मिलकर क्रिसमस पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। सर्व-धर्म समभाव को मजबूत करने की दिशा में समिति की इस पहल को पुलिस परिवारों ने तहेदिल से सराहा। समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने बच्चों को केक, चॉकलेट व कैप आदि वितरित किए।

5 करोड़ की फिरौती के लिए अपहृत कारोबारी को सकुशल छुड़ाने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त की बधाई



अपहृत कारोबारी को सकुशल मुक्त कराने वाली पुलिस टीम पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त के साथ

12 दिसम्बर, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने बाहरी जिला के स्पेशल स्टाफ की टीम को इलाके में हुई सनसनीखेज अपहरण की वारदात सुलझाने पर बधाई दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा, उपायुक्त पुलिस श्री एम.एन. तिवारी** भी उपस्थित थे। सहायक पुलिस आयुक्त श्री दिनेश शर्मा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर सुखबीर सिंह मलिक की टीम एसआई कमलेश, एसआई प्रहलाद, महिला एसआई नीशू, एएसआई राजबीर, एएसआई संजय, हैडकां0 धर्मेन्द व कां0 सुनील, कां0 हनुमान, व कां0 राजेन्द्र ने पश्चिम विहार से अपहृत कारोबारी सौरभ गुप्ता को सकुशल छुड़ाने में शानदार सफलता अर्जित की।

थाना सीलमपुर पुलिस टीम ने भी ब्लाइंड मर्डर केस सुलझाने में कामयाबी पाई



सीलमपुर थाने की पुलिस टीम पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस मुख्यालय में

24 नवम्बर, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में थाना कृष्णा नगर की एक पुलिस टीम को इलाके में हुए एक सूत्रहीन हत्याकांड को सुलझाने पर बधाई देते हुए उनकी हौसला अफ़जाई की। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्री देवेन्द्र आर्य सहायक पुलिस आयुक्त (आईपीएस) श्री शशांक जायसवाल, इंस्पेक्टर सतीश कुमार, एसआई मनोज तोमर, हैडकां0 सचिन त्यागी, हैडका0 विपिन त्यागी, हैडकां0 प्रमोद, कां0 अनुज व कां0 अजय उपस्थित थे। इस पुलिस टीम ने 24 अक्टूबर, 2017 को थाना कृष्णा नगर इलाके में दो बदमाशों द्वारा की गई एक कबाड़ी (स्क्रैपडीलर) की सनसनी खेज हत्या की वारदात सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

लैपटॉप छीन कर भाग रहे बदमाशों को दबोचने वाले सिपाहियों को पुलिस आयुक्त ने शाबाशी दी



मौके पर ही बदमाश को दबोचने वाले दोनों पुलिसकर्मी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

5 दिसम्बर, 2017 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने उत्तर–पश्चिमी जिला के थाना अशोक विहार में तैनात दो सिपाहियों अनिल व रवीन्द्र को अपने कार्यालय में बुलाकर उनके द्वारा किये गये साहसिक कार्य के लिए बधाई दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, उपायुक्त पुलिस श्रीमती असलम खान व थानाध्यक्ष अशोक विहार, श्रीमती आरती शर्मा भी उपस्थित थी। एक दिसम्बर, 2017 की शाम थाना अशोक विहार में तैनात सिपाही अनिल व रवीन्द्र ने बाहरी रिंग रोड पर ऑल हेवन बेंक्वट हॉल के निकट गश्त के दौरान लेपटॉप छीनकर भाग रहे एक बदमाश को गिरफ्तार करने में अदम्य साहस का परिचय दिया।

थाना नेब सराय की पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ थाना नेब सराय की पुलिस टीम

7 नवम्बर, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने दक्षिणी जिला के थाना नेब सराय की एक पुलिस टीम को लूटपाट, झपटमारी, हत्या के प्रयास जैसी वारदातों में शामिल तीन बदमाशों को गिरफ्तार करने पर पुलिस मुख्यालय में बुलाकर सम्मानित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त, श्री पी.कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त, श्री प्रवीर रंजन, उपायुक्त पुलिस, श्री ईश्वर सिंह भी उपस्थित थे। 25/26 अक्टूबर, 2017 की मध्यरात्रि सिल्वर कलर की स्कूटी पर सवार तीन बदमाशों ने थाना मालवीय नगर इलाके में एक साइकिल सवार को चाकू मार कर घायल करने के बाद उसका मोबाइल लूट लिया। मात्र 30 मिनट के बाद इन्हीं बदमाशों ने थाना संगम विहार इलाके में एक व्यक्ति को चाकू मार कर उसका मोबाइल व नकदी लूट ली। जिले में घटित हुई दो–दो आपराधिक वारदातों से चौकन्नी थाना नेब सराय की पुलिस टीम जिसमें थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह, एसआई राजकुमार,कां0 महेन्द्र, व कां0 अजय सम्मिलित थे, ने लूटपाट, झपटमारी व हत्या के प्रयास की वारदातों में शामिल तीन बदमाशों को पकड़ने में शानदार सफलता अर्जित की।

मानसरोवर पार्क इलाके में हुई सूत्रहीन एवं सनसनीखेज हत्या की वारदात सुलझाने में सफलता


जघन्य हत्याकांड की वारदात को सुलझाने वाली अपराध शाखा की टीम पुलिस आयुक्त के साथ

6/7 अक्टूबर, 2017 की मध्य रात्रि थाना मानसरोवर पार्क इलाके में रहने वाले कारोबारी जिंदल परिवार की चार महिलाओं और परिसर के गार्ड की सनसनीखेज हत्या की वारदात को सुलझाने वाली पुलिस टीम उपायुक्त पुलिस (अपराध) डॉ राम गोपाल नायक, सहायक पुलिस आयुक्त श्री राजेश कुमार इंस्पेक्टर विनय त्यागी, इंस्पेक्टर अरूण चौहान, इंस्पेक्टर संजय निओलिया, एसआई हवा सिंह, एसआई दिनेश, एसआई अर्जुन, एसआई पवन यादव, महिला एसआई अनिता रानी, एएसआई राजकुमार, एएसआई मोहम्मद सलीम, एएसआई सत्यवान, एएसआई दिनेश, एएसआई प्रमोद, एएसआई महेश, हैडकां0 कर्मवीर, हैडकां0 श्याम लाल, हैडकां0 बाबू राम, हैडकां0 सुनील कुमार, हैडकां शशिकांत व कां0 कुलदीप कुमार को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने उनकी उत्कृष्ट तफतीश के लिए शाबाशी दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री आर.पी. उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री आलोक कुमार भी उपस्थित थे।

83 वारदातों में शामिल बदमाश को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित


मायापुरी थाने की पुलिस टीम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

पश्चिमी जिला के थाना मायापुरी की एंटी स्नेचिंग टीम ने एक ऐसे कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की जिसने झपटमारी, लूटपाट व वाहन चोरी की लगभग 83 वारदातों को अकेले ही अंजाम दिया था। पुलिस टीम काफी दिनों से इस कुख्यात बदमाश पर निगरानी रख रही थी परन्तु शातिर दिमाग वाला यह बदमाश हर बार पुलिस टीम को चकमा देने में कामयाब हो जाता। पुलिस टीम ने भी अपनी सतत् निगरानी रखी और आखिरकार उसे सलाखों के पीछे पहुंचा कर ही दम लिया। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने टीम के सदस्यों थानाध्यक्ष मायापुरी, राजकुमार बजरिया एएसआई सुरेश कुमार, एएसआई दिनेशन के, कां0 जितेन्द्र, कां0 राजकुमार तथा कां0 दिनेश को कार्यालय बुलाकर प्रोत्साहित किया और शाबाशी दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, श्री सतीश गोलचा, उपायुक्त पुलिस श्री विजय कुमार तथा सहायक आयुक्त पुलिस श्री एस.पी. सिंह भी उपस्थित थे।

सुपर स्पोर्ट्स बाइक लूटेरों को दबोचने वाली पुलिस टीम प्रोत्साहित


सुपर स्पोर्ट्स बाइक लूटेरों को दबोचने वाली टीम पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

9 नवम्बर, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में पश्चिमी जिला के थाना नारायणा में तैनात इंस्पेक्टर सुनील कुमार, एसआई दीपक, कां0 राजेन्द्र, कां0 राकेश, कां0 संदीप, कां0 ज्योति और कां0 राधेश्याम की टीम को दो सुपर स्पोर्ट्स बाइक लूटेरों को दबोचने पर शाबाशी दी और उनके कार्य को काफी सराहा। गिरफ्तार बदमाश लूटपाट के अलावा बाइक लूट कर उन बाइकों से आपस में रेसिंग करते थे और जब उन बाइकों से मन भर जाता तो दूसरी लूट लेते थे। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा, उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्री एस.पी. सिंह भी उपस्थित थे।

सनसनीखेज लूटपाट व हत्या की वारदात सुलझाने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित


बाहरी जिला के स्पेशल स्टाफ की टीम पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

7 नवम्बर, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में बाहरी जिला पुलिस की एक टीम में सम्मिलित सहायक पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) श्री दिनेश कुमार जिनके मार्गदर्शन में इंस्पेक्टर सुखबीर सिंह मलिक (प्रभारी विशेष दस्ता, बाहरी जिला) की टीम एसआई प्रदीप, एसआई कमलेश, एएसआई वीरेन्द्र, एएसआई देवेन्द्र, एएसआई सुनील दत्त, एएसआई बालकिशन, एएसआई अशोक कुमार, हैडकां0 रोहताश, हैडकां0 मनोज, हैडकां0 प्रदीप, हैडकां0 विरेन्द्र, हैडकां0 धर्मेन्द्र, कां0 अजय छिल्लर, कां0 दीपक, कां0 सुनील, कां0 राहुल, कां0 अजय, कां0 अमित, कां0 परमजीत सिंह तथा कां0 संदीप यादव ने थाना मुंडका इलाके में हुई सनसनीखेज लूटपाट व हत्या की सनसनीखेज वारदात को सुलझाने में अच्छी तफ्तीश व सूझबूझ का परिचय दिया।

ट्रैनिंग में सर्वश्रेष्ठ कैडेट रहे एसआई जितेन्द्र कुमार का पुलिस तफ्तीश में भी कोई सानी नहीं

थाना मॉडल टाउन में तैनात एसआई जितेन्द्र कुमार ट्रैनिंग के दौरान अपने बैच के सर्वश्रेष्ठ कैडेट चुने गये थे। अपनी उसी प्रतिभा को बरकरार रखते हुए एसआई जितेन्द्र कुमार ने सहायक पुलिस आयुक्त हुक्मा राम व थानाध्यक्ष मॉडल टाउन सतीश कुमार के नेतृत्व में कई संगीन व सनसनीखेज वारदातों को अपनी विलक्षण बुद्धिमता, कड़ी मेहनत और लगन के बल पर हल कराने में अहम भूमिका निभाई है। 11 नवम्बर, 2017 को उत्तर–पश्चिमी जिला के मॉडल टाउन इलाके में हुई 12 लाख रुपये की सेंधमारी, 2 दिसम्बर, 2017 को गुजरांवाला टाउन में हुई 85 लाख की सेंधमारी तथा डेरावाल नगर में चल रहे ऑन लाइन क्रिकेट बेटिंग सिंडिकेट का पर्दाफाश करने में एसआई जितेन्द्र कुमार की भूमिका को जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बहुत सराहा है। एसआई जितेन्द्र कुमार की अगुवाई में मॉडल टाउन थाने की पुलिस टीमों ने कई हिंसक और जघन्य वारदातों को सुलझाने में शानदार सफलता अर्जित की है।

दिल्ली पुलिस व एक्सिस बैंक का साझा कार्यक्रम

26 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को कुल डेढ़ करोड़ रूपये की आर्थिक मदद

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति को दस लाख रूपये की आर्थिक मदद

दिव्यांग महिला कांस्टेबल को दो लाख रूपये की विशेष आर्थिक मदद

24 नवम्बर, 2017 की शाम जंतर-मंतर स्थित एनडीएमसी बिल्डिंग के कन्वेंशन हॉल में दिल्ली पुलिस व एक्सिस बैंक द्वारा दिवंगत एवं दिव्यांग पुलिसकर्मियों की आर्थिक सहायतार्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया।





दिल्ली पुलिस में सेवारत रहते हुए दुर्घटनाग्रस्त अथवा किसी बीमारी के कारण दिवंगत हुए 26 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 1.50 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी गई। 26 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 5 लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दी गई। चित्र में पुलिस आयुक्त के हाथों 25 लाख व 5 लाख रूपये का चैक प्राप्त करते हुए क्रमशः श्रीमती दयावन्ती एवं श्रीमती नीलम।



एक्सिस बैंक ने दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों के लिए चलाये जा रहे 'वजीफ़ा कार्यक्रम' और 'मिशन ओलपिंक 2020 की तैयारियों के लिए दी गई 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद को भी पुलिस अधिकारियों ने खूब सराहा।



पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक के विशेष आग्रह पर दिल्ली पुलिस की दिव्यांग महिला कांस्टेबल मंजू देवी को भी एक्सिस बैंक द्वारा दो लाख रूपये की आर्थिक मदद का चैक दिया गया।



दिल्ली पुलिस व एक्सिस बैंक द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान ही पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने दिल्ली पुलिस की वेलफेयर शाखा द्वारा तैयार 'A Booklet on Welfare Scheme' का विमोचन भी किया। इस द्विभाषी पुस्तिका में दिल्ली पुलिस की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं/स्थाई आदेशों व परिपत्रों के बारे में विस्तार से बताया गया है।



दर्शकदीर्घा में विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री संजय बेनीवाल, श्री वीरेन्द्र सिंह चहल, श्री आर.पी. उपाध्याय, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा, श्री एम.एम. ओबराय, श्री प्रवीर रंजन, श्री राजेश खुराना, श्री रवीन्द्र यादव, श्री अजय चौधरी, डॉ0 सागर प्रीत हुड्डा, उपायुक्त पुलिस श्री ईश्वर सिंह, श्रीमती नूपुर प्रसाद, श्री बी.के.सिंह, श्री एम. एन.तिवारी समेत विभिन्न जिलों से पुलिस प्रतिनिधि मौजूद थे।

अगस्त माह के 6 सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित


हैड.कां. विक्रम सिंह, सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर (पंजाबी बाग)


कां. सत्यव्रत (कनाट प्लेस)


कां. अश्वनी कुमार (भजनपुरा)


कां. हजारी (शाहबाद डेयरी)

पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने 5 दिसम्बर, 2017 तथा 22 दिसम्बर, 2017 को पुलिस मुख्यालय में क्रमशः अगस्त व सितम्बर माह के सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबलों को सम्मानित किया। इस मौके पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस आयुक्त के कर–कमलों द्वारा सम्मानित होने वाले बीट कांस्टेबलों ने अपनी–अपनी बीट में बदमाशों को पकड़ने, सूचनाएँ एकत्रित करने व अपराधों पर अकुंश लगाने में शानदार भूमिका निभाई है। **अगस्त माह के सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबलों में शामिल हैं:**–जिनमें हैडकां0 विक्रम सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर, थाना पंजाबी बाग (दक्षिण–पश्चिमी परिक्षेत्र–10,000रुपये), हैडकां0 जितेन्द्र (थाना पहाडगंज, मध्य परिक्षेत्र–8000रुपये), कां0 अर्जुन सिंह थाना हौजखास, (दक्षिण–पूर्वी परिक्षेत्र,8000रुपये), कां0 सत्यव्रत थाना कनाट प्लेस (नई दिल्ली परिक्षेत्र–8000रुपये), कां0 अश्वनी थाना भजनपुरा (पूर्वी परिक्षेत्र–8000रुपये), तथा कां0 हजारी, थाना शाहबाद डेयरी, (उत्तरी परिक्षेत्र–8000रुपये) शामिल हैं। हैडकां0 जितेन्द्र व कां0 अर्जुन सिंह किन्हीं कारण इस मौके पर उपस्थित नहीं हो सके थे। **सितम्बर माह के सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबलों में शामिल हैं :–** सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल धर्मपाल जाखड़ थाना गांधी नगर (पूर्वी परिक्षेत्र–10000 रुपये), हैडकां0 अखिलेश थाना निजामुद्दीन (दक्षिण–पूर्वी जिला–8000रुपये), हैडकां0 दलीप कुमार थाना बेगमपुर (उत्तरी परिक्षेत्र–8000), हैडकां0 सुरेन्द्र थाना बिंदापुर (दक्षिण–पश्चिमी जिला–8000रुपये), हैडकां0 प्रदीप थाना चाणक्य पुरी (नई दिल्ली परिक्षेत्र–8000 रुपये) तथा कां0 अमित कुमार थाना पटेल नगर (मध्य परिक्षेत्र–8000 रुपये)

पुलिस आयुक्त द्वारा सितम्बर माह के 6 सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल सम्मानित


कां. धर्मपाल जाखड़, सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर (थाना गांधी नगर)


हैड कां. दलीप (थाना बेगमपुर)


हैड कां. अखिलेश (थाना निज़ामुदीन)


हैड कां. सुरेन्द्र (थाना बिंदापुर)


हैड कां. प्रदीप (थाना चाणक्यपुरी)


कां. अमित (थाना पटेल नगर)

48 पुलिसकर्मी असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित

विभिन्न मौकों पर अदम्य साहस, अनुकरणीय पेशेवर निपुणता और बेहतरीन टीम सामंजस्य दिखाने वाले 48 पुलिसकर्मियों को पुलिस आयुक्त द्वारा असाधारण कार्य पुरस्कार व प्रत्येक को 50–50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया

इंस्पेक्टर संजय कुमार गुप्ता, इंस्पेक्टर अमूल्य त्यागी व एसआई अमित, कां0 अनूप कुमार (स्पेशल ब्रांच), इंस्पेक्टर महेश वालिया (दो अलग–अलग मामलों में पुरस्कृत), एसआई देवेन्द्र,कां0 सुनील कुमार व कां0 विनोद कुमार (बाहरी जिला) महिला हैडकां0 जसवनी, महिला हैडकां0 पूजा रानी (उत्तर–पश्चिमी जिला), हैडकां0 मैनूदीन (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एएसआई प्रवीण कुमार, हैडकां0 सुनील, कां0 मोहम्मद बकार रज़ा, कां0 पवन, कां0 उत्तम प्रताप, कां0 सुमेर सिंह व कां0 परवेज आलम (विशेष प्रकोष्ठ), एसआई विरेन्द्र सिंह व हैडकां0 विनोद वालिया अब एएसआई (उत्तरी जिला), हैडकां0 अब एएसआई महेश कुमार, हैडकां0 नरेश कुमार, कां0 संदीप कुमार, कां0 बद्री प्रसाद, कां0 प्रवीन्द्र कुमार, कां0 प्रशांत कुमार, कां0 सोहन लाल त्यागी, हैडकां0 प्रवीण कुमार (अपराध शाखा) हैडकां0 पवन कुमार अब एएसआई,कां0 सचिन कुमार व कां0 संदीप कुमार (शाहदरा जिला), एसआई जीत सिंह अब इंस्पेक्टर, एसआई सतेन्द्र खारी, एसआई राजीव बामल व प्यारा सिंह, एसआई सतीश कुमार, इंस्पेक्टर सर्वेश कुमार, इंस्पेक्टर राजेन्द्र कुमार, एसआई योगेश कुमार, एसआई जितेन्द्र मलिक, एएसआई श्यामवीर सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एएसआई सुखबीर सिंह (सशस्त्र पुलिस.), हैडकां0 यशपाल (पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर सतीश कुमार, एसआई जयवीर व कां0 हरदीप (रोहिणी जिला)।

पुलिस मुख्यालय में तिमाही अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न



समन्वय बैठक को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक

8 दिसम्बर, 2017 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में तिमाही अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आगामी गणतंत्र दिवस के सुरक्षा प्रबंध, आतंकवाद, संगीन अपराध, अपराधियों का अपराध करने के बाद एक–दूसरे राज्यों में छिपने, परस्परा सूचनाओं के आदान–प्रदान जैसे विषयों पर गंभीरता से विचार–विमर्श किया गया। **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने बैठक में आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए परस्पर सहयोग व सूचनाएँ साझा करने पर जोर दिया। बैठक में चर्चा हुई कि अपने–अपने इलाके के अपराधियों, सजायाफ्ता नागरिकों, गैरकानूनी गतिविधियों, होटलों, धर्मशालाओं, गेस्ट–हाउसों, स्कूल/कॉलेजों, मंदिरों व अन्य प्रतिष्ठानों की गहन जानकारी पुलिस के संज्ञान में होनी चाहिए और घरेलू नौकरों/सहायक व सहायिकों के पुलिस सत्यापन पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

टोडापुर स्थित ट्रैफिक मुख्यालय में तीन दिवसीय स्वास्थ्य जाँच शिविर सम्पन्न





स्वास्थ्य जाँच शिविर कार्यक्रम में शामिल वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

4 दिसम्बर, 2017 को **विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री दीपेन्द्र पाठक** ने टोडापुर स्थित ट्रैफिक मुख्यालय में तीन दिवसीय स्वास्थ्य जाँच शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती गरिमा भटनागर, श्री अरूण कंपानी, अति.आ.पुलिस श्री एस.एन. मौसोबी, श्री भैरोसिंह गुर्जर तथा उपा. पुलिस श्री विजय सिंह एवं एसीपी श्री अनिल कुमार** सहित काफी संख्या में ट्रैफिक पुलिसकर्मी उपस्थित थे। 4 से 6 दिसम्बर, तक चले इस तीन दिवसीय स्वास्थ्य जाँच शिविर में बी.एल.कपूर एवं पार्क अस्पताल के अनुभवी डॉक्टरों की टीमों ने 500 से ज्यादा ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की जाँच की। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक ने कहा कि सर्दी–गर्मी के मौसम में लम्बे समय तक सड़कों पर खड़े रह कर प्रदूषण के बीच ड्यूटी करने से पुलिसकर्मियों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होने की संभावना ज्यादा होती है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से सावधानी बरतने के साथ–साथ अच्छी क्वालिटी के मास्क पहनने, ब्रीदिंग एक्सरसाइज और मेडिटेशन करने की सलाह दी। इस अवसर पर सीएसआईआर एवं आईजीआईबी विभाग की टीमें भी मौजूद थी। जिन्होंने सैपंल टैस्ट करने में काफी मदद की। संयुक्त पुलिस आयुक्त, श्रीमती गरिमा भटनागर ने बताया कि शिविर के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के ब्लड प्रैशर, मधुमेह, घुटनों, फेफड़ों व सांस की दिक्कतों से संबंधित जाँच की गई।

द्वारका नया जिला बनने से दिल्ली पुलिस में जिलों की संख्या 14 हुई

(दो नए सब-डिविजन बदरपुर एवं बसंत कुंज भी बनाए गए)

माननीय उपराज्यपाल के आदेशानुसार दिल्ली पुलिस ने द्वारका नाम से एक नए जिले का सजृन किया है। इसके साथ ही दो नए सब–डिविजन बदरपुर (दक्षिण–पूर्वी जिला) तथा वसंत कुंज (दक्षिणी–पश्चिमी जिला) भी बनाए गये हैं। नए जिले में 4 सब–डिविजन बनाये गये हैं। जिनमें थाना डाबड़ी, उत्तम नगर व बिंदापुर (डाबड़ी सब–डिविजन), थाना सैक्टर–23 द्वारका, द्वारका उत्तरी तथा थाना द्वारका दक्षिणी (सब–डिविजन द्वारका), थाना छावला व जाफरपुर कलां (सब–डिविजन छावला) तथा थाना नजफगढ़ व थाना बाबा हरिदास नगर (सब–डिविजन नजफगढ़) हैं। इनमें थाना डाबड़ी, उतम नगर, बिंदापुर, सैक्टर–23 द्वारका, द्वारका उत्तरी, द्वारका दक्षिणी, छावला, जाफरपुर कलां को दक्षिणी–पश्चिमी जिला से तथा थाना नजफगढ़ व थाना बाबा हरिदास नगर को बाहरी जिला से नए जिले द्वारका में स्थानांतरित किया गया है। द्वारका जिला 1 दिसम्बर, 2017 से अस्तित्व में आया। द्वारका जिला, दक्षिण–पश्चिमी जिला की वर्तमान बिल्डिंग में संचालित होगा, जबकि दक्षिण–पश्चिमी जिला, वसंत विहार स्थित बिल्डिंग में स्थानांतरित किया गया है।

40 वर्ष से अधिक आयु वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मी एक बार स्वास्थ्य जांच अवश्य करायें

(बिल का भुगतान पुलिस विभाग द्वारा किया जाएगा)

पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक के दिशा–निर्देश पर विशेष पुलिस आयुक्त (कल्याण) द्वारा 20 नवम्बर, 2017 को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस के 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी अधिकारी एवं कर्मी वर्ष में एक बार पूरे स्वास्थ्य की जांच जरूर करायें, ताकि किसी भी शारीरिक समस्या का समय पर पता चल सके और उसका समय रहते उपचार कराया जा सके। परिपत्र में कहा गया है कि सीजीएचएस पैनल के अस्पतालों/औषधालयों में जाकर चिकित्सों से हीमोग्लोबीन, ब्लड शुगर नाश्ते से पहले और बाद मे) लिवर, किडनी, टी–3, टी–4 टीएसएच, लिपिड प्रोफाइल, ईसीजी और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच लिखवा कर सीजीएचएस पैनल में शामिल किसी भी लैब में जाकर जांच करा सकते हैं। जांच में आने वाले खर्च का बिल पुलिस विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

30 नवम्बर व 31 दिसम्बर, 2017 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री हीरा लाल सारण (बाहरी जिला)



एसीपी श्री कैलाश चन्द्र शर्मा (राष्ट्रपति भवन)



एसीपी श्री राजेन्द्र प्रसाद आर्य (ट्रैफिक)



एसीपी श्री सतीश चन्द्र शर्मा (स्पेशल ब्रांच)



एसीपी श्री राजकुमार (मध्य जिला)



एसीपी श्री शिवदयाल (मध्य जिला)



एसीपी श्री राजबीर सिंह (तृतीय वाहिनी)



एसीपी श्री विजेन्द्र पाल सिंह (शाहदरा जिला)



एसीपी श्री भारत भूषण (विशेष ईकाई, महिला एवं बाल)

विशेष उद्धरण

दिल्ली पुलिस को महिलाओं से संबंधित जांच मामलों में गुणवत्ता लाने, साइंटिफिक तरीके से फैक्ट्स एकत्रित करने तथा अपनी वेबसाइट और मोबाइल एप्स को और अधिक संवेदी एवं उपयोगी बनाने पर जोर देना चाहिए।

– श्री अनिल बैजल माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली

दिल्ली देश की राजधानी है। किसी अन्य महानगर व राज्य के साथ दिल्ली की तुलना करना अनुचित होगा। क्योंकि यहाँ की भौगोलिक, राजनीतिक, व्यवसायिक, पारिवारिक व जनसंख्या घनत्व की स्थिति भिन्न है।

– श्री अमूल्य पटनायक, दिल्ली पुलिस आयुक्त

यातायात पुलिसकर्मी पहले स्वयं की सुरक्षा का ध्यान रखें तत्पश्चात दोषी वाहन चालकों के चालान काटें।

– श्री दीपेन्द्र पाठक, विशेष पुलिस आयुक्त-यातायात

शुभकामनाएँ

सितम्बर, 2017 माह में 68 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए हैं। इनमें 14 पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिसकर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना करता है। **सितम्बर माह में सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों में शामिल हैं** : इंस्पेक्टर कमलेश्वर दयाल व एसआई उदयवीर शर्मा (पुलिस मुख्यालय), एसआई सुरेन्द्र, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई प्रदीप सिंह, एएसआई जसराज, एएसआई देवेन्द्र एमटीएस बाबूलाल (सातवीं वाहिनी) एसआई ओमप्रकाश, एसआई दलेल सिंह, एएसआई कृष्ण कुमार, हैडकां0 शेख साजिद शेख व हैडकां0 पवार वकंटेश बोस (रोहिणी जिला), इंस्पेक्टर विरेन्द्र कुमार, इंस्पेक्टर हरिकिशन ,एसआई तंजीब सिंह, एसआई जसबीर सिंह, एएसआई रमेशचंद, एएसआई विजय कुमार, एएसआई लाला राम, हैडकां0 विजय कुमार व कां0 कृष्ण कुमार (पीसीआर), एसआई स्वदेश कुमार, (शाहदरा जिला), एएसआई वालेदीन खान, (ट्रैफिक), एसआई मुन्ना लाल (5वीं वाहिनी), एसआई राकेश कुमार व एएसआई धर्मबीर (विशेष प्रकोष्ठ), एसआई सनातन लाकड़ा व एसआई करणपाल सिंह (मध्य जिला), एएसआई उदयवीर सिंह, एएसआई लाल सिंह व एएसआई हवा सिंह (उत्तर–पूर्वी जिला), हैडकां0 कर्मबीर सिंह (आईजीआई) महिला एएसआई नूतन कुमारी (तीसरी वाहिनी), एसआई ओम प्रकाश (रेलवे मैट्रो), इंस्पेक्टर रमेशचंद्र मलिक व एसआई राजेन्द्र सिंह शर्मा (पीटीसी) एसआई धीरज सिंह (पूर्वी जिला) एमटीएस बुद्धि बहादुर (दक्षिणी जिला), एएसआई सुरेद्र सिंह व एमटीएस नंदराम (उत्तर–पश्चिमी), इंस्पेक्टर विभूति भूषण (एफआरआरओ), एसआई किरणचंद, एसआई रामशरण व एसआई राजकुमार (संचार शाखा), एएसआई रामअवतार (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई गोपाल सिंह, एसआई रामपाल सिंह, एसआई उत्तमचंद, एसआई मारूराम एएसआई चन्दर प्रकाश, एएसआई अजायद खान, एएसआई अशोक कुमार एएसआई हरिप्रकाश, हैडकां0 मनोज कुमार, हैडकां0 रामबीर, (सुरक्षा), एसआई चरण सिंह, एएसआई राजपाल सिंह (पश्चिमी जिला) एएसआई श्रीनिवास (पीएंडएल) तथा एएसआई महेन्द्र कुमार, एएसआई अशोक कुमार शर्मा तथा कुक नारायण सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला)।

श्रद्धांजलि

अक्टूबर, 2017 महीने के दौरान 27 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान ही विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भाव–भीनी श्रद्धांजलि देता है और उनके आश्रितों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। दिवंगत साथियों में शामिल हैं :– एसआई खजान सिंह, एसआई दयानंद, एएसआई धर्मबीर सिंह व कां0 उमेश कुमार (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एएसआई रमेश चंद (सुरक्षा), एएसआई विजेन्द्र सिंह (उत्तरी जिला,) हैडकां0 रमन लाल मीणा, हैडकां0 त्रिभान सिंह, हैडकां0 चंदन शाह कां0 विरेन्द्र सिंह व कां0 पवन कुमार (ट्रैफिक), कां0 अमित खोखर (मध्य जिला), एएसआई धर्मपाल (पूर्वी जिला) एएसआई रघुवीर सिंह (उत्तर–पूर्वी जिला), एएसआई अजमेर सिंह (नई दिल्ली जिला), एमटीएस श्री किशन (12वीं वाहिनी), एएसआई जयप्रकाश (पीटीसी), कां0 एसआई धर्मेन्द्र कुमार (संचार शाखा), कां0 विकास (उत्तर–पश्चिमी जिला), हैडकां0 गोविन्द (रोहिणी) एएसआई रणवीर सिंह (पश्चिमी जिला), हैडकां0 प्रेमवीर सिंह तथा हैडकां0 पर्थम (दक्षिण–पूर्वी जिला), कां0 नंदराम मीणा (दक्षिणी जिला), एएसआई ओमप्रकाश (पीसीआर) एएसआई राजकुमार (पीएंडएल) तथा एएसआई ओमप्रकाश (पीसीआर)।

30 नवम्बर, 2017 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



1984 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, 30 नवम्बर, 2017 को विशेष पुलिस आयुक्त (प्रबंध निदेशक, दिल्ली पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन) के पद से सेवानिवृत्त हुए। 30 नवम्बर, 2017 की शाम पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया और उनके दीर्घायु होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाईयों में काम कर चुके श्री अजय कुमार सिंह के विदाई समारोह में काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए।



1986 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री एस.वासुदेव राव, 30 नवम्बर, 2017 को विशेष पुलिस आयुक्त (वेलफेयर एडं एस्टेट-ओवरसाइट) के पद से सेवानिवृत्त हुए। 30 नवम्बर, 2017 की शाम पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने श्री राव को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए उनकी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/इकाईयों में सफलतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वाह कर चुके श्री एस.वासुदेव राव के विदाई समारोह में काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारियों के सम्मान में भोज का आयोजन



8 दिसम्बर, 2017 को 17 मदर क्रिसेंट मार्ग स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में 31 अक्टूबर, 2017 को सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री टी.एन. मोहन एवं अन्य कई वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मान में भोज का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने श्री टी.एन. मोहन को स्मृति चिन्ह भेंट किया जबकि श्रीमती सूचना पटनायक ने श्रीमती मोहन को पुष्प भेंट कर उनकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।



नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

नव वर्ष 2018 आप सभी पुलिस अधिकारियों / कर्मियों एवं आपके परिजनों के लिए मंगलमयी एवं सुखदायी सिद्ध हो। ईश्वर से प्रार्थना है कि नए वर्ष में आप सभी अपने कर्तव्य को सच्ची निष्ठा, समर्पणभाव एवं पेशेवर दक्षता के साथ निष्पादित करने में सफल हों।



सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन, उपायुक्त पुलिस (पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर)
सह-सम्पादक : निरीक्षक सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक